



“73वें संविधान संशोधन के पश्चात् ग्रामीण महिलाओं का राजनैतिक सशक्तिकरण : जनपद मिर्जापुर उ० प्र० के विशेष संदर्भ में”

**Kairo Kant Ujala, Ph. D.**

Associate Professor - Political Science, Government P.G. College, Magarahan, MIRZAPUR-U.P. E-mail : [ujalakk@gmail.com](mailto:ujalakk@gmail.com)

### *Abstract*

पंचायती राज में महिलाओं की भागीदारी “महिला सशक्तिकरण” के लिए हो रहे प्रयासों का एक प्रमुख घटक है। यह अधिकारों की अभाव और असमर्थन के कारण होता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि अनुसूचित जाति की महिलाओं का अवृत्ति विवरण में अलग है। यह अधिकारों की अभाव का कारण है। इसका अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इसका अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इसका अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इसका अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इसका अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है।

**पारिभाषिक शब्दावली :** 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक सहभागी, राजनैतिक सशक्तिकरण



*Scholarly Research Journal's* is licensed Based on a work at [www.srjis.com](http://www.srjis.com)

प्रयोग के लिए इसका उपयोग हो सकता है।

अवश्यसम्भावी कल्पना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण की दिशा में विकास होता है। इस संविधान संशोधन अधिनियम के अन्तर्गत अपने अपने स्तरों पर अनुसूचित जाति की महिलाओं की विभिन्न विकास योजनायें तथा कार्यक्रम विशेष रूप से अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इस संविधान संशोधन अधिनियम से जहां एक और इन पंचायतों के अधिकारों को दी जाती है। इन पंचायतों के अधिकारों को दी जाती है।

यह एक अद्यतन कारण है। इस संविधान संशोधन अधिनियम की विवरण में अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है। इस संविधान संशोधन अधिनियम की विवरण में अनुसूचित जाति की महिलाओं के अधिकारों के लिये यह एक अद्यतन कारण है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

कुल स्थानों के एक तिहाई अर्थात् 33 प्रतिशत स्थान; महिलाओं के लिए ही आरक्षित किये गये हैं। व्हज {क.क द्स ब्ल इ को/कु ए॥ केक्ल; ओऱ द्स इ क्फ वु॥ फ्प्र ट्क्फ्र] वु॥ फ्प्र ट्टुक्फ्र , ओ फि न्मे ओऱ द्ह एफ्ग्यक्व्ह द्स मुद्ह तुल ॥; क द्स वु॥ क्र ए॥ व्हज {क्र ल्फ्कुक्ह ए॥ इ स , द फ्र्ग्क्भ ल्फ्कु व्हज {क्र फ्द, ख; स ग्ह उहु इ प्क; र्हज्क्त }क्ज्क इ न्र ब्ल व्हज {क.क द्स इ को/कु इ स वु॥ फ्प्र ट्क्फ्र एफ्ग्यक ट॥ स न्स ड्प्यस ओऱ द्स इ फ्के ज्क्तुक्फ्र ल्क्त द्क वो ज इ क्ल ग्व्हा म-इ ए॥ फ्के एक्ज इ प्क; र्हज्क्त द्ह फ=ल्र्ज्ह; ॥; ओ ल्फ्क्कन्तर्गत स्थानीय चुनाव सन् 1995 में सम्पन्न किये गये, तत्पश्चात् स्थानीय पंचायतों व्हक्ते इ प्क; र] {क्स इ प्क; र र्फ्क्क फ्ट्यक इ प्क; र्ह ए॥ वु॥ फ्प्र ट्क्फ्र] वु॥ फ्प्र ट्टुक्फ्र ओ फि न्मे ओऱ द्ह एफ्ग्यक्व्ह द्स व्हज {क.क द्स एक्ज; ए इ स इ फ्र्फुफ्क्भ इ क्ल ग्व्ह ट्स फ्द ल्क्कज्ह; इ केक्फ्ट्ड इ न इ क्स कु ॥; ओ ल्फ्क्क ए॥ फुएल्फ्क ज्ग्ह ग्ह ब्ल ह ओ ए॥ इ प्क; र्ह ज्क्त ए॥ एफ्ग्यक्व्ह द्ह ल्क्कथ्क्ज्ह एफ्ग्यक सशक्तिकरण' के लिए हो रहे प्रयासों का एक प्रमुख घटक भी है। ग्राम प्रधानों व पंचायत सदस्यों की भूमिका विशिष्ट एवं केन्द्रीय होने के कारण अध्ययन के लिए निर्दर्शन म॥ ब्लग्ह ग्ह इ फ्फेर्फ्यर फ्द; क ख; क ग्ह

### शोध अध्ययन का महत्व/उपादेयता %

इ ट्क्कर्क्फ=d फोड्ह्हन्ह्हद्ज.क द्क व्हर्ले य{; इ प्क; र्ह ज्क्त द्ह ल्फ्क्कि उक द्ज द्स फुक्य ओऱ द्स लोगों को सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक शोषण व उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने के लिए अधिक से अधिक प्रशासनिक शक्तियाँ प्रदान करना है। स्पष्टतः पंचायती राज जनता का राज है, जिसके माध्यम से समाज के दबे कुचले लोगों को शक्ति सम्पन्न बनाना है। इस विधेयक में सन्निहित प्राविधानों के र्ग्र वु॥ फ्प्र ट्क्फ्र; क्ल वु॥ फ्प्र ट्टुक्फ्र; क्ल र्फ्क्क एफ्ग्यक्व्ह द्स इ स्य कुक्स द्ह इ क्फ 33 प्रतिशत आरक्षण की समुचित व्यवस्था पंचायतों के तीनों स्तरों पर की गयी है। जो इस विधेयक का ए॥; व्हक्ड"क्ल ग्ह ब्ल इ स इ र्क ए॥ बुद्ह ल्क्कथ्क्ज्ह र्क्स क्ल ग्ह( इ क्फ ग्ह ब्लग्ह फोड्ह्ह द्ज उ द्स इ ए॥ व्हक्ड वो ज ल्क्कि इ य्ह ग्व्हा द; क्ल ओ वि उ उ मर्फ्क्कु द्स फ्य, लो; ए फु.क्ल य्ह क्ल

### अध्ययन का उद्देश्य %

अध्ययन के मुख्य एवं पूरक उद्देश्य निम्नवत् निर्धारित किए गये हैं—

- १/॥ वु॥ फ्प्र ट्क्फ्र ओऱ द्स एफ्ग्यक उर्क्भ द्ह इ केक्फ्ट्ड व्हक्फ्क्भ इ ब्हक्फ्क्भ द्क व/; ; उ द्ज उ आ
- २/॥ इ प्क; र्ह ज्क्त ॥; ओ ल्फ्क्क द्स फ्ह; क्लो; उ द्स इ न्ह्ह ए॥ एफ्ग्यक उर्क्भ द्स न्फ्ह व्हक्स क द्क इ र्क य्ह क्कु आ
- ३/॥ अनुसूचित जाति महिला वर्ग के राजनीतिक सशक्तिकरण का मूल्यांकन करना।

### शोध-पद्धतिशास्त्र (अध्ययन का क्षेत्र, न्यादर्श, पद्धति तथा प्रविधियाँ) %

व/; ; उ द्क इ ए॥ %

व/; ; उ द्क {क्स @ इ ए॥ शोध सुविधार्थ उ-इ द्स व्हक्ज्क ए.म्य द्क एफ्क्ज्क फ्ट्यक प्हुक ख; क ग्ह द; क्ल शोधार्थी यहीं का निवासी है।

### न्यादर्श तथा न्यादर्शों का चयन %

vud f/kRl q us ftys e g foxr uohu i pk; rhjkt puko e i pk; r ds rhuk Lrjk e I s xke i pk; r Lrjk i j fuokpr dy 100 vud fpr tkfr; k dh efgyk tu i frfuf/k; k ftue xke i zku rFkk xke i pk; rk dh I nL; k, a l fefy় g

v/; ; u dh i ) fr , o i fof/k; k %

प्रस्तुत शक्ति dk; l grq i e[k i ) fr ds : i e ^l k{kRdkj vud ph\*\* i dJ .kr% fufe] djs I puknkrkvk I s vkeu&l keus dh fLFkfr e ॥; fDrxr I k{kRdkj\* I Ei lu djrs g ^voykdu\* प्रविधि से प्राथमिक तथ्य संकलित गए हैं। तथा न्यादर्शों की मनोवृत्तियाँ जानने के लिए मनोवृत्ति eki dka; Fkk& fydVZ , o Fkl Mu dks vi uk; k x; k gA f}rh; d rF; k dk I dyu i pk; r dk; kly; k के अभिलेखों, सचिवों तथा समाचार-पत्र, पत्रिकाओं द्वारा करके तत्पश्चात् मास्टरशीट का निर्माण कर i kfked rFkk }\$h; d v{kdmk I s I ka[; dh; x.kuk, a djds rF; ij d fu"d"k LFkfr fd, x, gA इस प्रकार प्रस्तुत शोध अध्ययन “एक सूक्ष्म आनुभविक अध्ययन” (Micro Empirical Study) gA शोध अ/; ; u dh i dfr ^o.kukRed\* gA

foopuk , o fu"d"k%

i pk; rh jkt dk fØ; klo; u , o vud fpr tkfr efgyk urRo dk ; g v/; ; u Li "V djrk gS fd नेतृत्व की सामाजिक-आर्थिक स्थिति कमोबेश अनुसूचित जाति वर्ग की तरह ही औसतन निम्न स्तर की gA xkeh.k I kekfd I jpu k e i jEijkxr : i I s fuEu fLFkfr i klr bl oxz dh efgykvks dks urRo djus dk ; g i Eke vol j i klr gvk gA i pk; rh jkt dh cgfofo/k xfrfot/k; k e vud fpr जाति महिला वर्ग के नेतृत्व की स्थिति प्रशिक्षणार्थी के समान रही है। अशिक्षा, कमजोर I kekfd&vkffkd i "BHKfe] dk; l ds vks pkfjd vu[ko dk vHkko t\$ s dkj. kks I s bl urRo e dbz egRoi wkl i ko/kuk dks i fr vufHkKrk fn [kkbZ nhA bl ds ckotin xkeh.k fodkl ] i pk; r dh I el; k, a vud fpr tkfr oxz mRFkku t\$ s fo"k; k i j bl urRo us Li "V fopkj ॥; Dr fd, A bl oxz dk i pk; rk e fuokpu vi \$kdr I jyrk I s I Ekk gvk nyh; i frc) rk pu koh epn} fuokpu ds dkj. kks vud fpr tkfr efgyk urRo us Li "V fd; k gA jktuhfrd vHk: fp , o I txrk dh nf"V I s I pkj ek/; ek dks i fr tkudkjh dk Lrj vks r nt dk ik; k x; k gA cgk a[; d mRrjnkf=; k e jktuhfrd egRokdkkk dk vHkko fn [kkbZ nsrk gA

स्वतंत्रता के पश्चात् I ekt ds I okf/kd fi NM&oxk dh i Eke ॥; ki d jktuhfrd Hkrh dk ; g Øe vHk yxHkx i k Ekk gh gvk gA I ekt ds I Hk dh oxk us bl i pk; rh jkt ॥; oLFkk ds fØ; klo; u dks utnhdh I s ns[kk , o vukko fd; k gA i pk; rh jkt ॥; oLFkk dk vks pyus okyk vck/k Øe vc T; knk i frLi ) k wkl gkskA urRo ds fy, T; knk ; k; , o ॥; oLFkk dks I e>us okys yks i frLi ) k e vks; kA xkeks dks fodkl dh I Ei wkl ftEenkjh i pk; rk e vks xbl gS , o xke I Hkkvks ds ek/; e I s

वके तुकांधि | गङ्गाक्षरक द्वारा यक्षरक्षी केंद्र विधि विधि नियमों के अनुसार उपलब्ध है। इसका उपयोग विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। इसका उपयोग विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। इसका उपयोग विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

माध्यमों के प्रति उनकी जागरूकता का स्तर निम्न होना अशिक्षा एवं कमज़ोर सामाजिक आर्थिक स्थिति का एक ऐसा नेतृत्व उभर रहा है जिससे इस आशा का संचार होता है कि अनुसूचित जाति महिला नेतृत्व देने में सक्षम होगी। उत्तर प्रदेश की पंचायतों के लिये यह एक आशापूर्ण संकेत है।

महिलाओं का राजनैतिक सशक्तिकरण के सम्बन्ध में सूचनादाताओं के अभिमत

ठीकांक	प्रतिशत	सूचनादाताओं के अभिमत (आवृत्तियां/प्रतिशत)	क्षेत्र
1	33	ifr- vly{.k fey tkus ds dkj.k	I ger mnkl hu vl ger (प्रतिशत)
2	89	एक नयी शक्ति की अनुभूति हुई है।	
3	92	शक्ति संरचना परिवर्तित हुई है (33 प्रति आरक्षण से कर्मशक्ति व उत्साह बढ़ा है)	
4	84	jktuhfrd tkx: drk rFkk pruk i cy gplgA	06 02 100
5	96	efgykvks e jktuhfrd pruk dk fodkl gplgA rFkk vloked शैली पनपी है।	00 04 100
6	76	i jEijkxr vFkktrk ykxks dk i Fkk gA	21 03 100

i klr djus ds fy, vuif spr tkfr; k dh efgykvks dks i klr kgu feyk gA				
7- jktufrd ekeyks es vflk: fp c< k gA	82	14	04	100
11- vi us vf/kdkjk rFkk dr; k dh tkuakjh ds ifr jktufrd tkx: drk vk; h gA	78	11	01	100
12- vuif spr efgkykvks ejktuhfrd gLr{ki djus l Ecu/kh Hkkouk i cy gpl gA	84	11	05	100
13- vuif spr efgkykvks आत्म विश्वास rFkk LokcyEcu dh Hkkouk cyorh gpl gA	83	09	08	100

rkfydk \*c\* महिलाओं का राजनैतिक सशक्तिकरण के सम्बन्ध में सूचनादाताओं के vflkerks ds I hek&foLrkj 1/4kl /u eukofRr eki d ds vuif kj%

Øekd	I puknkrkvks ds vflkerks ds I hek&foLrkj	vkoFrr; k	प्रतिशत
1-	i wkl% I UrIV	24	24-00
2-	de I UrIV	35	35-00
3-	mnkl hu@rVLFk	26	26-00
4-	vl UrIV	12	12-00
5-	i wkl% vl UrIV	03	03-00
		100	100-00

| nHk%

fl g / rfnz/2000% % chuk ke-i zh i: 87 fot; yeh/2001% % oekl t; Jh/2008% % शमा vkj-i h/2010% % जोशी आस-ि , .M/2011% % tsh j/ h , .M/2012% % vull , gen eghiy/2012% % ublfnyh i: 262 fl g vorkj/2015% %	नवीन पंचायतीराज एवं अनुसूचित जाति महिला नेतृत्व, आदित्य पब्लिशर्स, ipk; rk es efgkykvks dh Hkkxhinkjh % vuif spr tkfr; k rFkk vuif spr tu tkfr; k ds tu iftiniyियों के विशेष संदर्भ में, देशबन्धु प्रकाशन रायपुर (मि) i: 102 uoju ipk; r jkt& fO; klo; u/ l eL; k, a, o/ l ekku % vuif spr tkfr; k dh efहलाओं की भूमिकाओं के विशेष   nHkZet, d v/; u/ l kfgk; l गर प्रकाशन, t; ij] i: 2 ipk; rhjkt % l Qyrk@vi Qyrk dk fodkl ds l UnHkZes el/; kdu % vuelu ifydyशन्स (प्राफ्य-॥ ublfnyh i "B&167&68 दीप एण्ड दीप पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पु 72&79 xteli.k vuif spr tkfr; jktuhfrd vflktu/ Dykfl dy पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, पु 37 ipk; r& vrtr/ oreku , o/ Hko"; ( dhl IV ifyशिंग कम्पनी (प्राफ्य-॥ लीडरशिप पैटन एण्ड विलेज स्ट्रक्चर- विद स्पेशल रिफरेन्स टू नवीन पंचायती राज, स्टरलिंग पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पु 116
--	---